

गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

# गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW, AHMEDABAD, SURAT

वर्ष : 02
अंक : 196
दि. 17.11.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
LUACKNOW EDITION


# पीएम मोदी दो अहम क्षेत्रीय शिखर सम्मेलनों में हिस्सा लेने के लिए फिलीपींस पहुंचे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को दो महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलनों में हिस्सा लेने के लिए फिलीपींस पहुंचे। पीएम मोदी का मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया।

पीएम मोदी मंगलवार को 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वह फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर फिलीपींस पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज सोमवार को मनीला रवाना होने से पहले कहा कि आसियान देशों के साथ भारत के संबंध उसकी 'एक्ट ईस्ट' नीति के केंद्र में हैं और 'महासागर' विजन में भी इनका महत्वपूर्ण स्थान है। 'महासागर' का अर्थ विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी एवं समग्र प्रगति (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजन) है। यह भारत का विस्तारित वैश्विक समुद्री दृष्टिकोण है।

फिलीपींस रवाना होने से पहले जारी अपने बयान में पीएम मोदी ने



कहा कि वह आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में अन्य नेताओं के साथ मिलकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और विकास, संपर्क तथा समृद्धि के साझा लक्ष्यों को नई गति देने के लिए उत्सुक हैं। वर्ष 1967 में स्थापित आसियान को इस क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली संगठनों में से एक माना जाता है। इसके 11 सदस्य देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड, तिमोर-लेस्ते और वियतनाम शामिल हैं।

भारत के अलावा अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके संवाद साझेदार हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सहयोग को मजबूत करने के मुद्दे पर इसमें हिस्सा लेने वाले नेताओं के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और रक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने वाला प्रमुख मंच है। 2005 में अपनी स्थापना के बाद से इसने पूर्वी एशिया के रणनीतिक, भू-राजनीतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आसियान के सदस्य देशों के अलावा पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका और रूस भी शामिल हैं।

## फिलीपींस यात्रा पर प्रधानमंत्री मोदी, रवानगी से पहले कहा- 'आसियान देशों के साथ मित्रता को विशेष महत्व देता है भारत'

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर फिलीपींस के लिए रवाना हुए। वे मनीला में 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईस्ट एशिया समिट) में भाग लेंगे।

**पीएम मोदी का एक्स पर संदेश**

यात्रा पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया, 'हमैं आज और कल फिलीपींस के मनीला में रहूंगा, जहां मैं 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा।'

उन्होंने आगे लिखा, 'भारत, आसियान देशों के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को बहुत अधिक महत्व देता है। मैं फिलीपींस में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं।'

**विदेश मंत्रालय का बयान**

भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16-17 नवंबर को 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिलीपींस के मनीला के 2 दिवसीय दौरे पर रवाना हुए हैं।'

मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा से आसियान देशों के साथ भारत की साझेदारी और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी।

**राजदूत ने जताई ठोस परिणामों की उम्मीद**

आसियान में भारत के राजदूत श्रीनिवास गोत्रू ने कहा कि यात्रा के दौरान निश्चित रूप से कुछ ठोस परिणामों की घोषणा होगी।

## पीएम मोदी को संस्कृत श्लोक सुनाते दिखे फिलीपींस के बच्चे, प्रधानमंत्री ने शेयर किया वीडियो

**पीएम मोदी ने भारतीय कम्युनिटी से भी मुलाकात की. पीएम यहां आसियान समिट में पहुंचे.**

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलीपींस दौरे पर मनीला पहुंचे। जहां उनका भव्य स्वागत किया गया. इस दौरान फिलीपींस के बच्चों ने पीएम नरेंद्र मोदी का संस्कृत के मंत्र बोलकर स्वागत किया. पीएम मोदी फिलीपींस के मनीला में आसियान समिट में पहुंचे हैं.



बच्चों ने पूर्ण कुंभ श्लोक और नारायण सूक्तम के मंत्रों का पाठ किया. डीडी न्यूज के मुताबिक, मनीला में स्थित श्री सत्य साईं स्कूल के फिलिपिनों और भारतीय मूल के छात्रों ने स्वागत के लिए इस पारंपरिक श्लोक का पाठ किया. बच्चे इस दौरान सफेद पारंपरिक पोशाक पहने थे.

पीएम मोदी तीन दिवसीय यात्रा के लिए फिलीपींस पहुंचे हैं. जहां वे 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे.

पीएम मोदी ने इस दौरान एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया, 'कुछ ही देर पहले फिलीपींस के मनीला पहुंचा. भारतीय समुदाय से मिलकर बहुत खुशी हुई. इन्होंने मेरा बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया. हमारे प्रवासी भारतीय न केवल अपनी संस्कृति को सहेज कर रखे हुए हैं, बल्कि दोनों देशों के करीब लाने की दिशा में काम कर रहे हैं.'

प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि इस कार्यक्रम में भारत और फिलीपींस के गहरे सांस्कृतिक रिश्तों की एक शानदार झलक देखने को मिली. यहां अगुसान की गोल्डन तारा और ऐतिहासिक लगुना कॉपरप्लेट शिलालेख की प्रतिकृतियां देखीं. यह 9वीं- 10वीं शताब्दी पुरानी है.

**इंदौर में 4 गानों पर लगी रोक तो भड़के दिलजीत दोसांझ, स्टेज पर पढ़ा राहत इंदौरी का शेर**

इंदौर, मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में अपने गानों पर लगी पाबंदियों की वजह से इंदौर कॉन्सर्ट में मशहूर शायर राहत इंदौरी के शेर पढ़े और रोक



लगाने वालों को खरी-खोटी सुनाई। दरअसल, गायक के इंदौर कॉन्सर्ट से पहले बाल संरक्षण विभाग ने उनके चार लोकप्रिय गानों (पटियाला पेग, 5 तारा ठेके, जीब विचो फीम लब्बिया और जट उत्थे फायर करदा) पर रोक लगा दी थी।

## मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगरा दौरा अचानक रद, अब दिल्ली जाएंगे सीएम; सियासी हलचल तेज

(जीएनएस)।

आगरा। आगरा में सीएम योगी का दौरा एक बार फिर से रद हो गया है। अब सीएम योगी मथुरा से सीधे दिल्ली रवाना होंगे। इससे पहले भी एक बार उनका दौरा रद हुआ था। सीएम योगी को दिवंगत विधायक छोटे लाल वर्मा के आवास पर स्वजन से मुलाकात के लिए आना था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को 20 मिनट के लिए आगरा आने वाले थे। मथुरा से वापसी के दौरान खेरिया एयरपोर्ट पर रुकना था और वहां से सीधे दिवंगत विधायक छोटेलाल वर्मा के विभव नगर स्थित आवास पर जाना था।

मुख्यमंत्री को स्वजन से मुलाकात करना था और फिर लखनऊ के लिए रवाना होना था।



लेकिन मंगलवार सुबह 9:30 बजे मुख्यमंत्री का आगरा दौरा रद्द हो गया अब मुख्यमंत्री सीधे नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। इससे पहले एमएलसी चुनाव के दौरान 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री को टाटा ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करना था। जनसभा के बाद दिवंगत विधायक छोटे लाल के विभव नगर स्थित आवास पर जाना था लेकिन मौसम खराब होने के कारण यह कार्यक्रम रद हो गया था।

## उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल, 55 अधिकारियों के तबादले

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल करते हुए विभिन्न मंडलों, विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों और विभागों में तैनात 55 अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। तबादला सूची में अपर आयुक्त, सचिव विकास प्राधिकरण, अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, नगर आयुक्त संवर्ग और अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं। कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि कुछ अधिकारियों के विभाग और कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है।तबादलों के तहत अमरपाल सिंह को अपर आयुक्त चित्रकूटधाम मंडल से अपर आयुक्त सहारनपुर मंडल भेजा गया है। विवेक कुमार मिश्रा को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव पद से वाराणसी विकास प्राधिकरण का सचिव बनाया गया है। सुशील प्रताप सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव पद से गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का सचिव नियुक्त किया गया है। अतुल कुमार को भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलसचिव और संस्कृति निदेशालय में अपर निदेशक की जिम्मेदारी से हटाकर लखनऊ विकास प्राधिकरण का सचिव बनाया गया है। उनके पास नागरिक उड्डयन निदेशालय में संयुक्त निदेशक (प्रशासन) का अतिरिक्त दायित्व भी रहेगा।डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा को वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव पद से हटाकर हापुड़ में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बनाया गया है। पंकज कुमार को मेरठ नगर निगम में अपर नगर आयुक्त से अपर आयुक्त चित्रकूटधाम मंडल भेजा गया है। बृजेश कुमार सिंह को मेरठ विकास प्राधिकरण के सचिव पद से नोएडा में विशेष कार्याधिकारी बनाया गया है। क्रांति शेखर सिंह को नोएडा से विशेष कार्याधिकारी, दादरी-नोएडा-गाजियाबाद निवेश क्षेत्र (नोएडा), बुलंदशहर की जिम्मेदारी दी गई है।

ज्ञान चंद्र गुप्ता को बस्ती में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) से संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अयोध्या तीर्थ विकास परिषद बनाया गया है।

सुनंदू सुधाकरन को वाराणसी मंडल में अपर आयुक्त से बस्ती में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) नियुक्त किया गया है। पंकज कुमार श्रीवास्तव को लखनऊ नगर निगम में अपर नगर आयुक्त से संतकबीरनगर में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बनाया गया है। ऋषिकांत राजवंशी को बलिया में उपजिलाधिकारी से बांदा में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) की जिम्मेदारी दी गई है।सूर्य प्रकाश को संतकबीरनगर में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) से उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ का महाप्रबंधक बनाया गया है। माया शंकर यादव को बांदा में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) से मेरठ नगर निगम में अपर नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। अखिलेश को अलीगढ़ मंडल में अपर आयुक्त से मुरादाबाद नगर निगम में अपर नगर आयुक्त बनाया गया है।

शशि भूषण को मुरादाबाद मंडल में अपर आयुक्त से अलीगढ़ मंडल में अपर आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है।धीरज श्रीवास्तव को अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी पद से हटाकर अमेठी में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बनाया गया है।

ज्योति सिंह को अमेठी में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) से वाराणसी मंडल में अपर आयुक्त नियुक्त किया गया है। जयजीत कौर होरा को प्रयागराज मंडल में अपर आयुक्त से भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का कुलसचिव तथा संस्कृति निदेशालय का अपर निदेशक बनाया गया है। अपूर्वा यादव को मुजफ्फरनगर में उपजिलाधिकारी से दिव्यांगजन सशक्तीकरण निदेशालय में उपनिदेशक नियुक्त किया गया है। सौम्य मिश्रा को बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण, झांसी में विशेष कार्याधिकारी से प्रयागराज मेला विकास प्राधिकरण में उपजिलाधिकारी बनाया गया है।

रामकुमार को बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण से वाराणसी नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। आकाश कुमार को लखनऊ में उपजिलाधिकारी से बहराइच भेजा गया है। अनिल कुमार यादव को वाराणसी नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त से मुजफ्फरनगर में उपजिलाधिकारी बनाया गया है।

ऋतु त्यागी को कानपुर विकास प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी से झांसी में उपजिलाधिकारी नियुक्त किया गया है।

## राष्ट्रीय सुरक्षा में अब हर नागरिक की भूमिका अहम, सीडीएस बोले- तकनीक और सप्लाई चेन पर भारत का नियंत्रण जरूरी

(जीएनएस)।

नई दिल्ली , देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा है कि बदलते वैश्विक हालात में राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल सेना या सरकार तक सीमित नहीं रह गई है। इसमें उद्योग जगत, तकनीकी संस्थानों, शिक्षण संस्थानों, स्टार्टअप और आम नागरिकों की भी अहम भूमिका है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण तकनीकों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना होगा।

जनरल राजा सुब्रमणि ने सोमवार को एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट 3.0 में संबोधन के दौरान कहा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि देश में हर वस्तु का निर्माण किया जाए। इसका वास्तविक मतलब ऐसी क्षमताएं विकसित करना है, जिनके दम पर भारत अपने रणनीतिक फैसले स्वतंत्र रूप से ले सके और जरूरत पड़ने पर किसी बाहरी देश पर निर्भर न रहना पड़े।



सीडीएस ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे में देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए समाज के हर वर्ग और संस्थान की भागीदारी जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक दौर में राष्ट्रीय सुरक्षा का दायरा सैन्य अभियानों से कहीं आगे बढ़ चुका है।

अपने संबोधन में जनरल राजा सुब्रमणि ने इसरो के नेविगेशन सैटेलाइट नाविक-03 के सफल प्रक्षेपण का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर 2026 को इसरो ने इस उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। इससे पहले पीएसएलवी के लगातार दो प्रक्षेपण असफल रहे थे और नाविक-02 मिशन में भी तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं।

उन्होंने कहा कि इन असफलताओं के बावजूद इसरो ने उनके कारणों की पड़ताल की, तकनीकी ऑडिट कराया और जरूरी सुधारों के बाद दोबारा सफलता हासिल की। यह दिखाता है कि किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तकनीकी क्षमता और लगातार सुधार की प्रक्रिया कितनी महत्वपूर्ण है।

सीडीएस ने कहा कि ड्रोन जैसे नेविगेशन सैटेलाइट केवल अंतरिक्ष कार्यक्रमों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सटीक पोजिशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग प्रणाली लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों सहित कई आधुनिक सैन्य उपकरणों के संचालन के लिए बेहद जरूरी है।

## ओटीएस योजना की समयसीमा बढ़ी, अब 14 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

(जीएनएस)।

लखनऊ, प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले भवन स्वामियों और करदाताओं को राहत देते हुए सरकार ने एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) की समयसीमा एक महीने बढ़ा दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि अब योजना के तहत आवेदन की अंतिम तिथि 14 दिसंबर 2026 और बकाया धनराशि जमा करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। इस फैसले से उन करदाताओं को भी योजना का लाभ उठाने का एक और मौका मिलेगा, जो पहले तय समयसीमा में आवेदन नहीं कर पाए थे।मंत्री ने बताया कि योजना के तहत नगर निगमों के गृहकर के साथ जलकल विभाग के बकाया जलकर, सीवरकर और जलमूल्य के मामलों में भी राहत दी जा रही है। एक अप्रैल 2026 तक के लंबित बकाये का निर्धारित धनराशि के साथ भुगतान कर निस्तारण कराने पर नियमानुसार ब्याज और सरचार्ज में छूट मिलेगी। उन्होंने



कहा कि योजना का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि भवन स्वामियों को पुराने कर बकाये के बोझ से राहत देना भी है। योजना के प्रति करदाताओं की बढ़ती रुचि को देखते हुए इसकी अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।ए.के. शर्मा ने कहा कि सरकार नगरीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और नागरिकों के अनुकूल बनाने के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में ओटीएस के तहत ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन की सुविधा दी गई है। ऑनलाइन आवेदन के लिए संबंधित पोर्टल पर नगर निगम का चयन कर मोबाइल नंबर और ओटीपी के जरिए लॉगिन करना होगा। इसके बाद संपत्ति का विवरण भरकर आवेदन किया जा सकता है। इससे भवन स्वामियों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी नगर विकास मंत्री ने सभी नगर निगमों और संबंधित अधिकारियों को योजना की बढ़ाई गई समयसीमा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आवेदन और बकाया निस्तारण की प्रक्रिया सरल एवं पारदर्शी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को भी कहा, ताकि पात्र करदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंत्री ने भवन स्वामियों और बकायेदारों से अपील की कि वे निर्धारित अवधि में आवेदन कर योजना का लाभ उठाएं और अपने लंबित करों का निस्तारण कराएं।




# सम्पादकीय

## एसआईआर-वोटर लिस्ट को लेकर योगी- अखिलेश आमने-सामने

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक तापमान चरम पर पहुंच चुका है। एक-दूसरे को निपटाने का खेल शुरू हो चुका है। यह खेल सिर्फ योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव तक ही सीमित नहीं लगता। बीजेपी के अंदर भी वुछ ना वुछ गड़बड़, खींचतान चल रही है। अब तक तो तमाम विपक्ष ही वोट चोरी और ज्ञानेश वुमार के एसआईआर पर सवाल उठा रहा था अब तो बीजेपी के दिग्गज नेता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की बात सार्वजनिक रूप से कह दी है। राज्य में वोटर लिस्ट के एसआईआर को लेकर एक नया और बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आरोप प्रतिआरोप का केन्द्र यह सवाल बन गया है कि क्या हालिया संशोधन में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। बीजेपी के सबसे बड़े फायरब्रैंड नेता सीएम योगी आदित्यनाथ का एसआईआर पुनरीक्षण प्रक्रिया से नाराज हैं? सीएम योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि यूपी में 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं। उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 1.65 फीसदी इजापे पर हैरानी जताई है। इसके साथ ही उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वोट बैंक में बढ़ोत्तरी के चलते विपक्ष को इस पर कोई आपत्ति नहीं होगी। इस बयान के बाद सवाल उठ रहे हैं कि एसआईआर को लेकर योगी भी नाराज हैं? क्या बीजेपी को अपने ही वोट बैंक के नाम कटने की चिंता सता रही है। क्या यह दिल्ली से लखनऊ को निपटाने का खेल तो नहीं है? मुख्यमंत्री योगी के मुताबिक इस आंकड़े में पंचायत मतदाता सूची में दर्ज करीब 66 लाख नाम, सरकारी योजनाओं के लगभग 55 लाख लाभाथी और 18 से 19 साल की उम्र के करीब 4.5 लाख मतदाता शामिल हैं। उधर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी दूसरे राज्यों से लोगों को उत्तर प्रदेश लाकर मतदाता सूची में उनके नाम दर्ज कराने की तैयारी कर रही है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा : जब अपने पैर फटी बिवाईं, तब समझ में आईं पीर पराईं। अखिलेश ने मुख्यमंत्री से चुनौती भरे अंदाज में कहा कि अगर उन्हें सच में लगता है कि 1.27 करोड़ वोट काट गए हैं तो उनकी पुरानी पोस्ट को अपने अधिकारिक हैंडल से री-पोस्ट कर दें। अखिलेश ने कहा कि हमने 25 लाख डुप्लीकेट वोट तो अपने सिस्टम से ढूंढ़ निकाले हैं, वो चुनाव आयोग को भेजेंगे। अखिलेश ने दावा किया कि यूपी में एक करोड़ पीडीए वोट काटने की कोशिश हुई, लेकिन सपा कार्यकताओं और पीडीए प्रहरियों ने वोट बचा लिए। उन्होंने बीजेपी और चुनाव आयोग पर साजिश के आरोप लगाए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आयोग की तरफ से जाति या धर्म के आधार पर आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं होते तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 1.27 करोड़ हिंदू वोट कटने की सटीक जानकारी कैसे मिली? उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग सार्वजनिक करने से पहले पूरा डेटा सीधे सीएम कार्यालय को कैसे सौंप रहा है? उन्होंने गणना करते हुए कहा कि यदि भाजपा का दावा सही भी मान लिया जाए तो हर विधानसभा में उनके औसतन 31 हजार वोट कम हो रहे हैं, जिसका सीधा मतलब है कि वे चुनाव में हार रहे हैं या ये हार पहले ही मान चुके हैं।

# नीति आयोग पीएम मोदी के 25 वर्षों के शासन अनुभव को दर्ज करने के लिए 5 कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू करेगा

(जीएनएस)।

नीति आयोग 17 नवंबर 2026 को पांच राष्ट्रीय कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू करेगा। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्षों के अनुभव से सीख लेना है। इस श्रृंखला में सार्वजनिक नेतृत्व के इस 25 वर्ष के सफर का अध्ययन किया जाएगा, ताकि इससे मिली सीख देश के साझा ज्ञान का हिस्सा बन सके। इस दौरान इस यात्रा का हिस्सा रहे लोगों के अनुभवों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा और उन्हें ऐसे ज्ञान में परिवर्तित किया जाएगा, जिससे सभी को लाभ मिल सके। नीति आयोग ने आज रविवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है।

नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला था। इस पद पर 12 वर्षों से अधिक समय तक सेवा देने के बाद उन्होंने मई 2014 में देश के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया और वर्तमान में लगातार तीसरी बार इस पद पर कार्यरत हैं। 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्ष पूरे होने के साथ यह भारत में किसी निर्वाचित सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे निरंतर कार्यकाल का रिकॉर्ड है। इस पूरी अवधि में शासन व्यवस्था का आधार 'प्रधान सेवक' की अवधारणा रही है। इसके अंतर्गत सरकार का प्रत्येक पद नागरिकों की सेवा के लिए अस्तित्व में है। अंत्योदय ने प्रगति का पैमाना समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को बनाया है। जनभागीदारी ने विकास को जन आंदोलन का रूप दिया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत ने इसे एक साझा राष्ट्रीय प्रयास के रूप में और मजबूत किया है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य इस दृष्टिकोण को दीर्घकालिक दिशा प्रदान करता है और प्रत्येक संस्थान से स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष के करीब पहुंचते देश के लिए योजना बनाने और कार्य करने की अपेक्षा करता है।

**यह कार्यशाला श्रृंखला पीएम मोदी के प्रत्यक्ष अनुभवों को दर्ज करेगी**

इस स्तर पर शासन संचालन के संबंध में देश ने जो कुछ सीखा है, उसका अधिकांश हिस्सा उन अधिकारियों, संस्थानों और नागरिकों के अनुभवों में निहित है, जिन्होंने इन निर्णयों को लागू किया। यह कार्यशाला श्रृंखला उनके प्रत्यक्ष अनुभवों को दर्ज करेगी और अकादमिक मानकों के आधार पर उनका विश्लेषण करेगी। इन अनुभवों को सिविल सेवकों, प्रशिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, विद्यार्थियों और आम जनता के लिए केस स्टडी, शोध पत्रों तथा शिक्षण सामग्री सहित संस्थागत शिक्षण सामग्री के रूप में विकसित किया जाएगा।

निम्नलिखित शासन संबंधी विषयों पर केंद्रित होंगी 5 राष्ट्रीय कार्यशालाएं



आपको बता दें, पांच राष्ट्रीय कार्यशालाएं निम्नलिखित शासन संबंधी विषयों पर केंद्रित होंगी: 'मिशन के रूप में नेतृत्व' झ नवंबर 2026, 'सेवा वितरण के रूप में शासन' झ जनवरी 2027, 'समावेशन के रूप में विकास' झ अप्रैल 2027, 'सभ्यतागत पहचान' झ जुलाई 2027, 'वैश्विक शक्ति के रूप में भारत' झ सितंबर 2027

पहली राष्ट्रीय कार्यशाला 'मिशन के रूप में नेतृत्व' 17 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित की जाएगी। इसमें उन विशिष्ट निर्णयों के माध्यम से नेतृत्व का अध्ययन किया जाएगा, जिनमें नेतृत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है और यह भी देखा जाएगा कि इन निर्णयों को नागरिकों के लिए परिणामों में किस प्रकार बदला जाता है। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग जैन प्रतिभागियों का स्वागत करेंगे और नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी उद्घाटन संबोधन देंगे। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा उद्घाटन मुख्य भाषण देंगे और कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक भी मुख्य भाषण देंगे। नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे।

**सीधे तौर पर शामिल रहे लोगों के चार प्रत्यक्ष अनुभव इस कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा होंगे**

महत्वपूर्ण निर्णयों में सीधे तौर पर शामिल रहे लोगों के चार प्रत्यक्ष अनुभव इस कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा होंगे। गुजरात सरकार के अपर मुख्य सचिव राजीव टोपनो वर्ष 2001 के भूकंप के बाद कच्छ के पुनर्निर्माण पर अपने अनुभव साझा करेंगे। पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष प्रीति सूदन कोविड-19 के दौरान की गई कार्रवाई पर अपने अनुभव साझा करेंगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के पूर्व सचिव शैलेश कुमार सिंह 'लखपति दीदी' योजना पर अपने अनुभव प्रस्तुत करेंगे। वहीं इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को खोलने से जुड़े अपने अनुभव साझा करेंगे।

'विकसित भारत के लिए नेतृत्व' विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी। इसका संचालन नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम करेंगे। पैनल में उत्तर प्रदेश सरकार के शहरी विकास और ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के प्रोफेसर विशाल गुप्ता, नीति आयोग की प्रतिष्ठित फेलो देबजानी घोष और हरदोई की संयुक्त मजिस्ट्रेट नारायणी भाटिया शामिल होंगी।

कैबिनेट सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन कार्यशाला का समापन करेंगे और आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर 'कर्मयोगी संकल्प' की शुरूआत करेंगे। इस संकल्प के माध्यम से देशभर के सिविल सेवक अपने नेतृत्व संबंधी कार्यप्रणाली में एक विशिष्ट बदलाव लाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे।

**900 प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद**

इस कार्यशाला में लगभग 900 प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें से 250 प्रतिभागी विचार-विमर्श में शामिल होंगे। इनमें केंद्र और राज्य सरकारों के सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों तथा आकांक्षी जिलों के जिला कलेक्टरों सहित 150 सरकारी अधिकारी शामिल होंगे। प्रतिभागियों में प्रमुख संस्थानों और विश्वविद्यालयों के 25 विद्यार्थी तथा राष्ट्रीय प्रमुख योजनाओं के 50 सामुदायिक भागीदार और लाभार्थी भी शामिल होंगे।

समूह चचाओं का संचालन क्षमता निर्माण आयोग की 'अमृत ज्ञान कोष' पहल के अंतर्गत प्रशिक्षित 25 केस फैसिलिटेटर करेंगे। इस कार्यक्रम की कार्यवाही का प्रसारण आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा।

# निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष चुने गए जय शाह, विश्वास और समर्थन के लिए जताया आभार

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का फिर से अध्यक्ष चुना गया है। बाली में हुई बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड ने इस फैसले पर मुहर लगाई। शाह को अगस्त 2024 में सर्वसम्मति से आईसीसी अध्यक्ष चुना गया था, जिससे वह 35 साल की उम्र में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बने थे। उन्होंने 1 दिसंबर 2024 से आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया था। तत्कालीन आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले के तीसरे कार्यकाल के लिए दावेदारी न पेश करने के बाद शाह एकमात्र उम्मीदवार रह गए थे। वह जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय बने थे। यह पुनर्नियुक्ति नेतृत्व में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगी। यह ऐसे समय में हुई है जब क्रिकेट लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए तैयारी कर रहा है। इसके अलावा, इसका मकसद दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करना, ज्यादा



लोगों को खेल से जोड़ना और खेल के व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना है।

आईसीसी ने बताया कि शाह की पुनर्नियुक्ति बोर्ड के निदेशकों के एक प्रस्ताव के बाद हुई है। यह खेल के विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में उनके नेतृत्व पर बोर्ड के भरोसे को दशार्ता है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करना प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल को मजबूत करना, महिला क्रिकेट का विस्तार करना, एसोसिएट सदस्यों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और खेल की दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता सुनिश्चित करना भी प्राथमिकताओं में शामिल है।

अपनी पुनर्नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने बोर्ड के निरंतर समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने सदस्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने की अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया। शाह ने कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को नए दर्शकों तक पहुंचने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के एक बड़े अवसर के रूप में बताया। उन्होंने कहा, हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी, हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक बेहतरीन अवसर है।

उन्होंने आगे कहा, हमारी जिम्मेदारी केवल सफल आयोजन कराने तक ही सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस खेल के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना होगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ लाने की इसकी क्षमता है। बोर्ड और हमारे सदस्यों के सहयोग से हमारा पूरा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने पर होगा, ताकि हम जो भी प्रगति करें, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ सके।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने शाह के निरंतर नेतृत्व का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलते व्यावसायिक और खेल परिदृश्य के अनुरूप ढलते हुए द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब जय शाह का नेतृत्व जारी है। खेल तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि हमारे प्रमुख आयोजन इस खेल के भविष्य के केंद्र में बने रहें।

उन्होंने आगे कहा, आने वाले वर्षों में खेल की परंपराओं और नवाचार, नए दर्शकों तथा बदलती व्यावसायिक गतिशीलता से मिलने वाले अवसरों के बीच संतुलन बनाना बहुत महत्वपूर्ण होगा। इस भविष्य को आकार देने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को एक टिकाऊ दिशा देने के लिए, सभी सदस्यों को एक साथ लाने में आईसीसी की भूमिका अहम होगी। मैं जय शाह को उनके पद पर बने रहने के लिए बधाई देता हूं। खेल के इस महत्वपूर्ण अगले चरण में, मैं उनके और अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

आईसीसी की स्वतंत्र निदेशक रॉस रिवाज ने महिला क्रिकेट में हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और अलग-अलग क्षेत्रों की खिलाड़ियों के लिए नए अवसर पैदा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी अध्यक्ष के रूप में फिर से चुने जाने पर जय को बधाई देती हूं। उनका नेतृत्व महिला क्रिकेट के विकास को और मजबूत करने का एक अहम मौका देता है और यह सुनिश्चित करता है कि महिला क्रिकेट, आईसीसी के दीर्घकालिक विजन का मुख्य हिस्सा बना रहे।

रिवाज ने कहा, हालांकि, महिला क्रिकेट दुनिया भर में लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन हमारी यह भी जिम्मेदारी है कि हम उन लोगों का समर्थन करें जिनके खेलने के अवसरों में रुकावट आई है। हमें जय शाह के नेतृत्व में महिला क्रिकेटरों की मदद के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी समझना चाहिए। यह जरूरी है कि हम इस प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएं और महिलाओं के लिए ऐसे रास्ते बनाते रहें, जिससे वे हमारे खेल से जुड़ी रह सकें और इसमें प्रतिस्पर्धा कर सकें।

आईसीसी के उपाध्यक्ष और जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तवेंग्वा मुखुहलानी ने बताया कि पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 अफ्रीका में इस खेल के लिए किस तरह के नए अवसर पैदा कर सकता है। मुखुहलानी ने कहा, अफ्रीका के एक सदस्य के रूप में, मैं आने वाले मौकों को लेकर काफी उत्साहित हूं। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के जरिए यह खेल पूरे महाद्वीप में नए दर्शकों तक पहुंचेगा। यह अफ्रीकी क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, जो इस क्षेत्र में खेल के विकास पर एक स्थायी प्रभाव डाल सकता है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के निदेशक रोजर टवोस ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को मजबूत करने और इसके अलग-अलग प्रारूपों की लोकप्रियता को बनाए रखने के लिए सदस्य देशों के बीच सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। वहीं, आईसीसी एसोसिएट मेंबर चेयर गुरुमूर्ति पलानी ने कहा कि क्रिकेट के वैश्विक विस्तार का फायदा एसोसिएट सदस्यों को भी मिलना चाहिए- उन्हें उच्च-स्तरीय प्रतियोगिताओं में खेलने का मौका मिले, विकास के रास्ते खुलें और उनके लिए निवेश के अवसर पैदा हों। आईसीसी ने कहा कि उसका मुख्य एजेंडा खेल की नींव को मजबूत करना, महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देना, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की निष्पक्षता की रक्षा करना और भविष्य के लिए टिकाऊ व्यावसायिक अवसर तैयार करना होगा।

# अपेक्षा पोरवाल ने जेलर-2 में रजनीकांत के साथ अपने अनुभव को बताया सपने के सच होने जैसा

(जीएनएस)।

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर 2 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने आगे कहा, जेलर 2 में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग जितने ज्यादा बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।



फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं।

अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।

# प्रेगनेंसी के शुरूआती 3 महीने थे बहुत कठिन, महिलाओं का साथ जरूरी : कियारा आडवाणी

(जीएनएस)।

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपने गर्भावस्था के अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि शुरूआती कुछ मुश्किल महीनों में उन्हें अपने जीवन की अन्य महिलाओं से किस तरह का सपोर्ट और समझ मिली। कियार एक बच्चे की मां हैं। उन्होंने फिल्म निमार्ता करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में अपनी गर्भावस्था के सफर के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शुरूआती महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे, क्योंकि उन्हें जी मिचलाने और हार्मोनल बदलावों का सामना करना पड़ा था। शो के दौरान कियारा ने कहा था, शुरूआती तीन महीने बहुत कठिन थे। आपको जी मिचलाने की समस्या और कई तरह के हार्मोनल बदलावों से गुजरना पड़ता है।

यह याद करते हुए कि कैसे उन्होंने और उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शुरूआत में किसी को भी गर्भावस्था के बारे में न बताने का फैसला किया था, कियारा ने बताया कि जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपने आस-पास की महिलाओं के सहारे की जरूरत है।



उन्होंने बताया, उस समय हमने सोचा था कि हम किसी को नहीं बताएंगे। लेकिन फिर मैंने कहा, नहीं सिड, मुझे अपनी मां से बात करनी है, मुझे अपनी सास की जरूरत है। मुझे महिलाओं की जरूरत है। मुझे अपने जीवन में ऐसी महिलाओं की जरूरत है जो मुझे समझ सकें।

अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के बीच साझा किए गए ऐसे अनुभवों ने उन्हें इस नाजुक दौर में काफी सुकून दिया।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि कभी-कभी मैं अपनी सहेलियों के साथ बैठकर रोती थी और वे बस मुझे वैसे ही रहने देती थीं (बिना कुछ कहे मुझे सहारा देती थीं)। और फिर, जिंदगी खूबसूरत हो जाती है।

कियारा 7 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी गर्भावस्था की घोषणा भी कर चुकी हैं। अपनी बेटी साराया के छोटे से हाथ की एक तस्वीर साझा करते हुए, जिसमें उसने बच्चों के मोजे पकड़े हुए हैं, उन्होंने लिखा, हमें एक बार फिर सबसे बड़ा उपहार मिला है। हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भरा हुआ है।

# दुनिया कुछ भी कहे, अपने सपनों पर विश्वास रखें: 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने दिया प्रेरणादायक संदेश

मुंबई फिल्म आई प्ले रॉकी के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं।

अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।इ मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए।

अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म रॉकी कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना आई ऑफ द टाइगर



सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगरइ एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं।

कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दशार्ती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है।

फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कार्तिक ने सिनेमा और आई प्ले रॉकी के नाम एक जाम उठाया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन मिस न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह खुद फिल्म देख चुके हैं और इसे दोबारा देखने की योजना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन दर्शकों के लिए एक प्यारा सा सरप्राइज है। प्रीमियर पर अपनी बातों के जरिए कार्तिक ने दर्शकों को एक खास संदेश दिया कि अपने सपनों पर विश्वास रखें, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें और किसी को भी यह न कहने दें कि आप अपने सपने पूरे नहीं कर सकते।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M) 9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

# महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा पत्रकारिता परिसंवाद का मुंबई में सफल आयोजन






महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित पत्रकारिता परिसंवाद के दीप प्रज्ज्वलन का दृश्य तथा परिसंवाद को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि अमरजीत मिश्र।

**पं. बाबूराव विष्णू पराड़कर जी के आदर्शों पर चलने की जरूरत पर बल**

मुंबई, 16 नवम्बर। हिंदी पत्रकारिता के भीष्म पितामह कहलाने वाले पंडित बाबूराव विष्णू पराड़कर की जयंती के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा एक दिवसीय पत्रकारिता परिसंवाद का सफल आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न वक्ताओं द्वारा पंडित पराड़कर जी के आदर्शों और शिक्षाओं पर अमल करने की जरूरत पर बल दिया गया।

यह यादगार परिसंवाद विले पार्ले, मुंबई स्थित मिठी बाई कॉलेज के जुहू जागृति सभागार में रविवार, 15 नवम्बर, 2026 की शाम आयोजित किया गया। दीप प्रज्वलन, वंदे मातरम और महाराष्ट्र राज्य गीत की प्रस्तुतियों के साथ शुरू हुए इस परिसंवाद में विशिष्ट अतिथि के रूप में फिल्म सिटी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ राजनेता अमरजीत मिश्र ने कहा कि पंडित बाबूराव विष्णू पराड़कर जी के दूरदर्शी विचार आज भी प्रासंगिक हैं और देश के वर्तमान पत्रकारों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिये। स्वदेश समाचार पत्र समूह के समूह सम्पादक डॉ. अतुल तारे ने "आज के सूचना तंत्र में पत्रकारिता में विश्वास, एक चुनौती भी /एक अवसर भी" विषय पर रोचक और प्रभावी व्याख्यान दिया। जय महाराष्ट्र मराठी न्यूज चैनल के सम्पादक प्रसाद काथे ने "सोशल मीडिया के दौर में पत्रकारिता की विश्वसनीयता" विषय पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किये। पुणे से आईं वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व पत्रकार श्रीमती समीक्षा तैलंग ने "हिंदी पत्रकारिता के आदर्श एवं पराडकर जी की पत्रकारिता दृष्टि" पर अपना समीक्षात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया। परिसंवाद का सुरुचिपूर्ण सूत्र संचालन सुपरिचित गीतकार तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया। प्रारम्भ में महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी के सह निदेशक एवं सदस्य सचिव सचिन निम्बालकर ने सभी गणमान्य अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह एवं पुस्तकें भेंट कर स्वागत सत्कार किया। उन्होंने परिसंवाद की प्रस्तावना रखते हुए महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी की विभिन्न प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी। अंत में अकादमी के प्रतिनिधि अंकित गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया। राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुए इस परिसंवाद में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, पत्रकार और साहित्य प्रेमियों की सहभागिता रही।

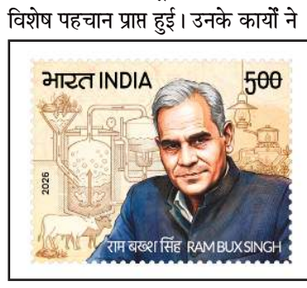
# आधुनिक बायोगैस के जनक डॉ. राम बख्श सिंह के सम्मान में भारत सरकार ने जारी किया स्मारक डाक टिकट

एजेंसी

माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री रामदास आठवले जी द्वारा दिनांक 13 नवम्बर 2026 को नई दिल्ली में डॉ. राम बख्श सिंह के सम्मान में भारत सरकार का स्मारक डाक टिकट विमोचित किया गया। यह उनके वैज्ञानिक योगदान, राष्ट्रीय महत्व तथा वैश्विक प्रभाव की ऐतिहासिक मान्यता का प्रतीक है।

इस अवसर पर डॉ. राम बख्श सिंह जी की वैज्ञानिक विरासत एवं बायोगैस प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके योगदान को समर्पित पुस्तक "Complete Guide to Biogas - Renewable Energy from Waste: Featuring the Legacy of Dr. Ram Bux Singh' का भी विमोचन किया गया। यह पुस्तक बायोगैस प्रौद्योगिकी, जैविक अपशिष्ट से नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन तथा डॉ. राम बख्श सिंह जी के जीवन, शोध एवं वैज्ञानिक योगदान को एक साथ प्रस्तुत करती है। इसका उद्देश्य उनके कार्यों को नई पीढ़ी, शोधकताओं, विद्यार्थियों तथा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र से जुड़े लोगों तक पहुँचाना है।

डॉ. राम बख्श सिंह, जिन्हें व्यापक रूप से बायोगैस प्रौद्योगिकी के अग्रदूतों में से एक तथा ह्लआधुनिक बायोगैस के जनक' के रूप में जाना जाता है, ने भारत और विश्व स्तर पर बायोगैस एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विशेष पहचान प्राप्त हुई। उनके कार्यों ने ग्रामीण ऊर्जा, सतत विकास, ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को नई दिशा प्रदान की।






डॉ. राम बख्श सिंह का जन्म जनपद सीतापुर में हुआ तथा उनका जीवन और कार्य लखनऊ से भी गहराई से जुड़ा रहा। वर्ष 1957 में उन्होंने सीतापुर में भारत के प्रारम्भिक सफल गोबर गैस (बायोगैस) संयंत्रों में से एक की स्थापना से जुड़े कार्यों का नेतृत्व किया। वर्ष 1972 में उनका कार्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुँचा और वे संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रारम्भिक बायोगैस पहलों से जुड़े। इसके बाद उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, डेनमार्क, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, मैक्सिको, कोस्टा रिका तथा कनाडा सहित 15 से अधिक देशों में बायोगैस एवं नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रमों में योगदान दिया।

उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य योजना संस्थान के अंतर्गत एशिया के प्रथम गोबर गैस अनुसंधान केंद्र, अजीतमल (जनपद औरैया) की स्थापना एवं विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा वहाँ 16 वर्षों तक प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध कार्यों सहित नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परामर्शदात्री सेवाएँ भी प्रदान कीं। उनके कार्यों का उल्लेख 1975 की संयुक्त राज्य सीनेट रिपोर्ट में किया गया तथा उनकी उपलब्धियों को अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों में स्थान प्राप्त हुआ। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक "इङ्क्रॅ२ ढ'ल्ल३ः ञ्रील्ली१ंइल्लॅ टी३ँल्ली ।१ङ्क्रे ड१ँल्लू हं२३ी२" संयुक्त राज्य अमेरिका की छ्ब११८ ङ्का उङ्कल्लॅ१ी२२ में सूचीबद्ध है और बायोगैस प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ मानी जाती है।

उनकी वैज्ञानिक विरासत को राष्ट्रीय अभिलेखागार, भारत सरकार द्वारा संरक्षित किया गया है। इसके अतिरिक्त उनके योगदान को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (ठउएफ्ळ) की कक्षा 9 विज्ञान पाठ्यपुस्तक में भी सम्मिलित किया गया है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को साकार करने में भारत सरकार के संचार मंत्रालय तथा डाक विभाग (ऊिस्र१ शेील्ल३ ङ्का ढङ्क२३२) का विशेष सहयोग एवं योगदान रहा। स्मारक डाक टिकट जारी करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने, आवश्यक संस्थागत समन्वय तथा इस प्रस्ताव को मूर्त रूप देने में डाक विभाग के संबंधित अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

यह स्मारक डाक टिकट केवल एक वैज्ञानिक के सम्मान का प्रतीक नहीं है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, ग्रामीण विकास, ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। ऐसे समय में जब विश्व ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की चुनौतियों का सामना कर रहा है, डॉ. राम बख्श सिंह का कार्य पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है।

यह स्मारक डाक टिकट आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देगा कि वैज्ञानिक नवाचार, ग्रामीण विकास और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का योगदान विश्व स्तर पर कितना महत्वपूर्ण रहा है तथा डॉ. राम बख्श सिंह जैसे वैज्ञानिकों की विरासत राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है।

# भारतीय किसान क्रांति यूनियन ने पांच पदाधिकारियों को सौंपी नई जिम्मेदारी

**पीलीभीत और बीसलपुर में संगठन का विस्तार, विभिन्न पदों पर किए गए मनोनयन**

(जीएनएस)।

बीसलपुर। भारतीय किसान क्रांति यूनियन (किसान क्रांति सरकार) की ओर से संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पीलीभीत जिले में पांच पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। संगठन की ओर से 16 नवंबर 2026 को जारी मनोनयन पत्र के अनुसार रोहित मिश्रा को जनपद पीलीभीत का जिला मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया है। वहीं आशुतोष शुक्ला एडवोकेट को अधिवक्ता सभा का तहसील अध्यक्ष बीसलपुर, हिमांशु मिश्रा को युवा तहसील अध्यक्ष बीसलपुर, मुकेश कुमार






पीलीभीत को अधिवक्ता सभा का जिला सचिव तथा महिपाल गंगवार को तहसील बीसलपुर का मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को युवा मंडल अध्यक्ष संचित दीक्षित ने मनोनयन पत्र सौंपे। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मनोनयन पत्र सौंपते समय कार्यकताओं और संगठन के पदाधिकारियों में खुशी की लहर दिखाई दी। संगठन की ओर से सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा किसानों के हक-हुकूक की लड़ाई को मजबूती से लड़ने की अपेक्षा जताई गई।

# लखनऊ में छाया देवभूमि का शौर्य, छोलिया बना मुख्य आकर्षण







संवाददाता आनंद कुमार

लखनऊ। उत्तराखण्ड महोत्सव 2026 के भव्य मंच पर आर्ट्स एंड कल्चरल ग्रुप, कल्याणपुर, लखनऊ द्वारा उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध एवं पारंपरिक छोलिया नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन में प्रस्तुत इस मनमोहक लोकनृत्य ने हजारों दर्शकों में उत्साह और उमंग का संचार कर दिया। कार्यक्रम का निर्देशन सुश्री कामना बिष्ट ने किया। कलाकारों में गार्गी गुगत्याल, शोभा पटवा, महेन्द्र सिंह नेगी, विजय कुमार सिंह बिष्ट, ज्योति जोशी, रिया सिंह, लाल सिंह बिष्ट, वेदान्त बिष्ट, मोहित जीना, सचिन विजय बिष्ट एवं गरिमा ने पूरे उत्साह, ऊर्जा और समर्पण के साथ अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया। पारंपरिक वेशभूषा, ढाल-तलवार के रोमांचक प्रदर्शन और छोलिया नृत्य की वीरतापूर्ण मुद्राओं ने दर्शकों का विशेष आकर्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय एमएलसी श्री पवन सिंह चौहान जी एवं संस्कृति निदेशालय, उत्तर प्रदेश की सहायक निदेशक सुश्री हिमानी रावत, हेमलता डंगवाल विभागाध्यक्ष शिक्षा शास्त्र लखनऊ विश्वविद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति रही। छोलिया नृत्य की इस शानदार प्रस्तुति ने देवभूमि उत्तराखण्ड की समृद्ध लोकसंस्कृति, शौर्य परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की अद्भुत झलक प्रस्तुत करते हुए दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

# धान खरीद में गड़बड़ी की आशंका, राइस मिलों के स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराने की मांग

**क्रय केंद्रों की खरीद सीमा और पिछले एक माह के अभिलेखों की निष्पक्ष जांच कराने को एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

(जीएनएस)।

बीसलपुर। तहसील क्षेत्र में धान खरीद व्यवस्था में अनियमितताओं की आशंका को लेकर भारतीय किसान क्रांति यूनियन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सोमवार को उपजिलाधिकारी बीसलपुर के नाम ज्ञापन भेजा। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र की राइस मिलों में किसानों से खरीदे गए धान के स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराने तथा सरकारी धान क्रय केंद्रों के खरीद संबंधी अभिलेखों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई गई।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ राइस मिलों द्वारा किसानों से निर्धारित प्रक्रिया एवं उचित मूल्य के अनुरूप धान खरीदने के बजाय कम



कीमतों पर खरीद किए जाने और बाद में सरकारी अभिलेखों में खरीद दर्शाए जाने की आशंका है। संगठन ने मांग की कि क्षेत्र की सभी राइस मिलों में उपलब्ध धान के वास्तविक स्टॉक का सत्यापन कर अभिलेखों में दर्ज मात्रा से मिलान कराया जाए।

इसके साथ ही धान क्रय केंद्रों की निर्धारित 300 से 600 कुंतल की खरीद सीमा के अनुरूप अब तक हुई खरीद की जांच कराने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि जिन केंद्रों पर अभी तक एक हजार कुंतल तक धान की तौल नहीं हुई है, वहां अचानक खरीद बढ़ने की स्थिति में किसानों की वास्तविक उपज, तौल पर्ची, गेट पास और उठान संबंधी अभिलेखों का विशेष रूप से मिलान कराया जाए।

संगठन ने पिछले एक माह के खरीद रजिस्टर, किसान पंजीकरण, तौल रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर तथा परिवहन एवं उठान से संबंधित दस्तावेजों की जांच कराने की मांग भी की। पदाधिकारियों का कहना है कि यदि वास्तविक खरीद के बिना कागजों में लक्ष्य पूरा दिखाया जाता है तो इससे किसानों के हित प्रभावित होंगे। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच टीम गठित कर क्रय केंद्रों और राइस मिलों का औचक निरीक्षण कराने तथा अनियमितता मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन देने वालों में युवा मंडल अध्यक्ष बरेली संचित दीक्षित, जिला प्रभारी पीलीभीत योगेश कुमार, युवा जिला अध्यक्ष शेखर दीक्षित और युवा मंडल उपाध्यक्ष बरेली सुशील मिश्रा सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# मसौली में सनसनी: देर रात तालाब में मिला करसंडा निवासी युवक का शव, परिजनों ने की न्याय की मांग



(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। बीती रात शहाबपुर टोल प्लाजा के निकट बाईक मिस्त्री का तालाब मे उतराता शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मंगलवार सुबह परिजनों ने मृतक की पहचान करसंडा गांव निवासी 30 वर्षीय हसन अली पुत्र शेर अली के रूप में हुई पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने हत्या की अशंका व्यक्त की है।

मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम करसंडा निवासी

शेर अली का 30 वर्षीय पुत्र हसन अली बाराबंकी बस स्टैंड के पास एक मोटरसाइकिल वर्कशॉप में मिस्त्री का काम करता था। मृतक चार भाइयों और एक बहन में था। उसके भाई नाजिम और पिता शेर अली ने हत्या की आशंका जताते हुए न्याय की मांग की है। परिजनों ने बताया कि हसन अली रोजाना की तरह सोमवार सुबह करीब नौ बजे घर से काम के लिए निकला था लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसकी तलाश भी की। इसी बीच रात करीब दो बजे पुलिस को सूचना मिली कि शहाबपुर टोल प्लाजा के पास फौजी ढाबे के निकट स्थित तालाब में एक युवक का शव पड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से शव बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार सुबह परिजनों ने शव की शिनाख्त की। पोस्टमार्टम के बाद देर शाम शव गांव पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी नाजिया बानो और दोनों मासूम बेटियों का रो रोकर बुरा हाल है। पत्नी ने गांव के एक युवक रियाज समेत कुछ लोगों पर पति की हत्या का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि पति का गांव की एक युवती से प्रेम संबंध था और पूर्व में दोनों घर से चले भी गए थे जिसके बाद मामले में सुलह हो गई थी। पत्नी के मुताबिक युवती के परिवार के लोगों ने उसके पति को धमकी दी थी कि उसे छोड़ा नहीं जाएगा। उसने आरोप लगाया कि इन्हीं लोगों ने उसके पति की हत्या की है। वहीं फौजी ढाबे पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि देर रात तालाब से आवाज आने पर वे मौके पर पहुंचे तो युवक पानी में पड़ा था। उसे बचाने के लिए रस्सी भी फेंकी गई लेकिन वह रस्सी पकड़ नहीं सका। कुछ लोगों ने यह भी बताया कि युवक के साथ कुछ अन्य लोग मौजूद थे जो बाद में उसे छोड़कर चले गए। हालांकि इन बातों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। थाना प्रभारी छोटेलाल ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस रात में ही मौके पर पहुंची थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# धान खरीदः राइस मिलों और क्रय केंद्र प्रभारियों की मिलीभगत की जांच की मांग

**किसानों से 1200 रुपये प्रति कुंतल तक सुविधा शुल्क लेने का आरोप, नौ सूत्रीय मांगों को लेकर भाकियू भानु ने दी आंदोलन की चेतावनी**

बीसलपुर, पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) की मासिक पंचायत बीसलपुर मंडी समिति के विश्रामगृह में आयोजित हुई। पंचायत में किसानों की समस्याओं, सरकारी धान खरीद में कथित धांधली, सुविधा शुल्क वसूली और राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायतों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद संगठन के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी बीसलपुर को ज्ञापन भेजकर किसानों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने और धान खरीद व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। ज्ञापन सौंपते समय भारतीय किसान यूनियन (भानु) के जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी सहित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सरकारी धान क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए तिरपाल की व्यवस्था नहीं है। इसके चलते किसानों का धान जमीन पर गिराया जाता है, जिससे बड़ी मात्रा में धान खराब हो रहा है। संगठन ने सभी क्रय केंद्रों पर तत्काल तिरपाल की व्यवस्था कराने की मांग की है। वहीं क्रय केंद्र प्रभारियों पर किसानों से 1200 रुपये प्रति कुंतल तक सुविधा शुल्क लेकर धान तौलने का आरोप लगाया गया है। सुविधा शुल्क देने से मना करने वाले किसानों को मानक का हवाला देकर केंद्र से वापस कर दिया जाता है। इससे परेशान किसान अपना धान आढ़तियों और राइस मिलों पर 1800 से 1900



रुपये प्रति कुंतल तक बेचने को मजबूर हो रहे हैं।

संगठन ने आरोप लगाया कि व्यापारियों के फर्जी अभिलेख तैयार कराकर सरकारी क्रय केंद्रों पर धान की तौल कराई जा रही है। मंडी और राइस मिलों के भाव में 400 से 500 रुपये प्रति कुंतल तक का अंतर होने के कारण व्यापारी सरकारी खरीद का लाभ उठा रहे हैं। ज्ञापन में क्रय केंद्रों से संबद्ध सभी राइस मिलों के गोदामों में भंडारित धान का भौतिक सत्यापन कराने, किसानों की जमीन पर धान की फसल दर्शाए जाने संबंधी अभिलेखों की जांच करने और फर्जी दस्तावेजों के जरिए खरीद किए जाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।

इसके अलावा बीसलपुर तहसील में खतौनी और अंश निर्धारण में गड़बड़ियों के कारण किसानों को हो रही परेशानी का मुद्दा भी उठाया गया है। आरोप है कि कुछ लेखपाल सुविधा शुल्क के बिना खतौनी में सुधार नहीं कर रहे हैं। संगठन ने किसानों की अंश और खतौनी संबंधी समस्याओं का तत्काल निस्तारण कराने की मांग की है।

ज्ञापन में बकैनिया दीक्षित के मजरा मनपुरा सहित अन्य स्थानों पर ग्राम समाज की सैकड़ों बीघा जमीन पर भूमाफियाओं के दोबारा अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए जमीन को कब्जामुक्त कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही सीएचसी में चिकित्सकों की अनुपस्थिति, कर्मचारियों के खराब व्यवहार और स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली का मामला उठाया गया है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना में कथित धांधली की जांच कराकर पात्र लाभार्थियों को आवास दिलाने की भी मांग की गई है।

भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने चेतावनी दी है कि यदि धान खरीद में किसानों का शोषण बंद नहीं हुआ और उठाई गई समस्याओं का समाधान नहीं कराया गया तो संगठन किसी भी समय धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगा। इसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और बीसलपुर तहसील प्रशासन की होगी।

# कानपुर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज, 3736 बूथों की होगी सघन जांच

**50 जोनल और 332 सेक्टर मजिस्ट्रेटों को सौंपी गई जिम्मेदारी, संवेदनशील बूथों की होगी पहचान; पेयजल, बिजली, शौचालय और रैम्प की भी होगी जांच**

(जीएनएस)।

कानपुर नगर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर कानपुर नगर में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जनपद के सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों के 3736 मतदान बूथों की संवेदनशीलता परखी जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। निर्वाचन तैयारियों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होगी।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने सोमवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अभी से सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।




प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए 50 जोनल मजिस्ट्रेट और 332 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए हैं। इनके साथ पुलिस अधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी अधिकारी संयुक्त रूप से मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर संवेदनशीलता और सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करेंगे।

पिछले चुनावों के विवादों से होगी संवेदनशील बूथों की पहचान

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पिछले लोकसभा, विधानसभा, पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों के दौरान हुई घटनाओं का विस्तृत अध्ययन किया जाए। निर्वाचन संबंधी अपराध, विवाद, पुनर्मतदान, जातीय एवं सांप्रदायिक तनाव तथा गंभीर आपराधिक घटनाओं के आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित किया जाएगा। नकदी, अवैध शराब और संदिग्ध सामग्री की पूर्व में हुई जब्ती का विवरण भी जुटाया जाएगा।

बूथों पर सुविधाओं की कमी मिली तो अधिकारियों की तय होगी जिम्मेदारी

मतदान केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय, दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प, चारदीवारी तथा प्रवेश और निकास मार्गों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। मतदाताओं की संख्या के अनुसार पर्याप्त स्थान और सुरक्षा व्यवस्था भी जांची जाएगी। निरीक्षण में जो भी कमियां मिलेंगी, उन्हें निर्धारित प्रारूप में दर्ज कर समय रहते दूर कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि कमियों को दूर कराने के बाद दोबारा भौतिक सत्यापन कराया जाएगा और व्यवस्थाएं दुरुस्त होने का प्रमाण पत्र भी लिया जाएगा। सत्यापन के बाद भी कमी मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की जाएगी।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों और निर्धारित समयसीमा का अक्षरशः पालन किया जाए। निर्वाचन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रशिक्षण कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी, डिप्टी कलेक्टर राधेश्याम शर्मा, शिखा शुक्ला, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कानपुर में चुनावी तैयारियों का बड़ा अभियान शुरू, अब हर बूथ की व्यवस्था और संवेदनशीलता पर प्रशासन की रहेगी पैनी नजर।

# दिनदहाड़े वृद्ध महिला के कान से सोने के कुंडल खींचकर फरार हुए लुटेरे

(जीएनएस)।

पीलीभीत , बीसलपुर। नगर के मोहल्ला बख्तावर लाल, निकट बड़ा स्थल के पास दिनदहाड़े वृद्ध महिला के कान से सोने के कुंडल खींचकर अज्ञात लुटेरे फरार हो गए। वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना के बाद महिला घबरा गई और आसपास के लोगों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, गजरौला निवासी नन्ही देवी पत्नी चंद्रपाल बीसलपुर मोहल्ला बख्तावर लाल, निकट बड़ा स्थल के पास मौजूद थीं। इसी दौरान अज्ञात लुटेरों ने महिला को निशाना बनाया। आरोप है कि बदमाश उनके कान से सोने के कुंडल खींचकर मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। वृद्ध महिला के साथ हुई लूट की घटना से स्थानीय लोगों में चिंता बनी हुई है।



घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई। हलका इंचार्ज हिमांशु टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस ने संभावित आरोपियों के बारे में भी जानकारी हासिल करने का प्रयास किया, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका।

हलका इंचार्ज हिमांशु ने बताया कि टीम के साथ मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई गई है। घटना से संबंधित डिटेल्स नोट कर ली गई हैं। आरोपी की तलाश की जा रही है, हालांकि अभी तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। दिनदहाड़े वृद्ध महिला के कान से सोने के कुंडल लूटे जाने की घटना से नगर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चचाएं शुरू हो गई हैं।

# गायत्री शक्तिपीठ ने नगर में निकाली नशा मुक्ति जागरूकता रैली, लोगों को दिलाया व्यसन मुक्त समाज का संकल्प

**नशा, जुआ और दुर्व्यसनों के खिलाफ गूंजे जागरूकता के नारे, स्कूली बच्चों ने भी लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा**

सोमवार को गायत्री परिवार की ओर से व्यसन मुक्ति एवं नशा उन्मूलन अभियान के तहत नगर में भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ गायत्री शक्तिपीठ से हुआ, जिसमें गायत्री परिवार के सदस्यों के साथ कैरियर पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।




रैली के दौरान प्रतिभागियों ने 'नशा बड़ा ही है शैतान, हमें बना देता हैवान' और 'बीड़ी, गुटखा, पान, शराब, इनकी आदत बड़ी खराब' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। रैली शक्तिपीठ से प्रारंभ होकर बड़ा चौराहा, कटरा, रामलीला मैदान, सुभाष पार्क सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरी। इस दौरान नशे, जुएं और अन्य सामाजिक दुर्व्यसनों के विरोध में लगाए गए नारों ने राहगीरों और स्थानीय नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया।

रैली के शक्तिपीठ पहुंचने के बाद मंदिर परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गायत्री परिवार के सदस्यों ने उपस्थित लोगों एवं विद्यार्थियों को नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक हानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सभी को नशे से दूर रहने और समाज को व्यसन मुक्त बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प दिलाया गया।

गायत्री शक्तिपीठ की ओर से कहा गया कि समाज में व्याप्त कुरीतियों और बुराइयों को दूर करने के लिए भविष्य में भी समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य ट्रस्टी गंगाराम गौड़, परमेश्वर दीन, केशव कुमार, रामकुमार कश्यप, राकेश शर्मा, सुरेंद्र कुमार, महेंद्र श्रीवास्तव, ऊषा देवी, कैरियर पब्लिक स्कूल के व्यवस्थापक आकाश ओमर सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं का विशेष सहयोग रहा।

# पहले मीडिया अपडेट, फिर उठे सवाल! पत्रकार पर चाकू हमले की कहानी में सीसीटीवी सबसे बड़ा गवाह

**नाका पुलिस के शुरूआती घटनाक्रम पर जवाबदेही तय होगी?**

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चारबाग क्षेत्र में पत्रकार पर चाकू से जानलेवा हमला और उसके बाद पुलिस की ओर से जारी शुरूआती मीडिया अपडेट अब पूरा मामला कई सवालों के घेरे में खड़ा होता नजर आ रहा है। आखिर घटना के डेढ़-दो घंटे के भीतर पुलिस ने ऐसा घटनाक्रम मीडिया के सामने कैसे रख दिया, जिसकी पुष्टि के लिए सबसे अहम सीसीटीवी फुटेज अब तक चर्चा में हैं? क्या पुलिस ने घटनास्थल की वास्तविक तस्वीर देखी थी या फिर आरोपी की शुरूआती कहानी को ही मीडिया अपडेट का आधार बना दिया गया? 12 नवंबर की रात 8:30 पर होटल दीप अवध के पास पत्रकार तारिक खान पर हुए चाकू हमले के मामले में लखनऊ कमिश्नरेट के प्रिंट मीडिया सेल की ओर से जारी शुरूआती अपडेट में बताया गया कि पैसों के लेन-देन को लेकर राजकुमार उर्फ लल्लन और पत्रकार संतोष शर्मा के बीच विवाद हुआ। नशे की हालत में आरोपी ने संतोष शर्मा की गाड़ी में टक्कर मारी और फिर चाकू से हमला करने का प्रयास किया। इसी दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे तारिक खान के पेट के ऊपरी हिस्से में चाकू लग गया। लेकिन सवाल यह है कि इस कहानी का आधार क्या था? क्या पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखे थे? क्या प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लिए गए थे? या फिर घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही घटनाक्रम की एक तस्वीर तैयार कर ली गई थी? पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज को लेकर है। अगर फुटेज मौजूद हैं तो उनमें साफ होना चाहिए कि घटना के समय मौके पर कौन-कौन मौजूद था, किसके बीच विवाद हुआ, किसने किस पर हमला किया और पत्रकार तारिक खान की भूमिका क्या थी? क्या वीडियो पुलिस के शुरूआती मीडिया अपडेट में बताए गए घटनाक्रम की पुष्टि करते हैं? अगर हां, तो जांच में सामने आए तथ्यों को स्पष्ट क्यों नहीं किया जा रहा? और अगर फुटेज में घटनाक्रम कुछ अलग दिखाई देता है तो शुरूआती मीडिया अपडेट में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई? इस मामले में थाने के अंदर का एक कथित वीडियो भी चर्चा में है। बताया जा रहा है कि घायल पत्रकार तारिक खान खुद आरोपी राजकुमार उर्फ लल्लन को पकड़कर नाका थाने लेकर पहुंचे थे। आरोप है कि थाने के अंदर आरोपी ने कथित तौर पर चिल्लाकर अपने निशाने पर मौजूद व्यक्ति का नाम लिया है यदि वीडियो और उसमें दर्ज बातचीत की पुष्टि होती है तो यह जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। सवाल यह है कि आखिर आरोपी के कथित निशाने और पुलिस के शुरूआती घटनाक्रम के बीच क्या संबंध था? क्या इस पहलू की गहराई से जांच की गई? ईमानदार सट्टे के किंग की दुकान पर खबर से शुरू हुई थी नाराजगी की कहानी इस पूरे घटनाक्रम के पीछे एक पुराना विवाद भी सामने आ रहा है। जानकारी के मुताबिक, घटना से करीब दो सप्ताह पहले पत्रकार संतोष शर्मा के पास राजेंद्र नगर क्षेत्र में कथित सट्टा कारोबार से जुड़ा वीडियो पहुंचा था। बताया जाता है कि वीडियो स्थानीय पुलिस को कार्रवाई के लिए दिया गया, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई इसके बाद दूसरा वीडियो मिलने पर मामले को खबर के माध्यम से उजागर किया गया। दावा है कि इसके बाद कथित सट्टे की दुकान कुछ समय के लिए बंद हुई, लेकिन धीरे-धीरे दोबारा गतिविधियां शुरू होने की सूचना मिलती रही पत्रकार की ओर से दोबारा खबर प्रकाशित करने से पहले संबंधित थाना प्रभारी से शिकायत किए जाने और चौकी स्तर पर कार्रवाई के निर्देश दिए जाने की बात भी सामने आई है। आरोप है कि कार्रवाई के बाद कथित सट्टा कारोबार से जुड़े लोगों की ओर से सिफारिश और बातचीत के प्रयास किए गए, लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद कथित तौर पर पत्रकार को डराने और दबाव बनाने की कोशिशों की चर्चा भी सामने आई। क्या 12 नवंबर की घटना का इस पुराने विवाद से कोई संबंध है? क्या हमले के पीछे कोई पुरानी रंजिश थी? यह ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब पुलिस की निष्पक्ष जांच से ही मिल सकता है। एक तरफ पत्रकार पर चाकू से हमला, दूसरी तरफ शुरूआती कहानी पर सवाल फिलहाल संतोष शर्मा के लिखित प्रार्थना पत्र के आधार पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है और आरोपी राजकुमार उर्फ लल्लन जेल भेजा जा चुका है। लेकिन आरोपी का जेल जाना पूरे घटनाक्रम की हर कड़ी का जवाब नहीं है। सबसे अहम बात यह है कि पुलिस के शुरूआती मीडिया अपडेट में दर्ज घटनाक्रम और वास्तविक घटनास्थल की तस्वीर का मिलान होना चाहिए। यदि शुरूआती जानकारी अधूरी थी तो उसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। यदि किसी तथ्य की पुष्टि नहीं हुई थी तो उसकी पुष्टि घटनाक्रम की तरह पेश करने का आधार भी सामने आना चाहिए। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे सवाल क्या घटनास्थल और आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर उनकी जांच की गई? क्या नाका थाने के अंदर के कथित वीडियो की भी जांच हुई क्या आरोपी के शुरूआती बयान और घायल पत्रकार के बयान का मिलान किया गया था? क्या कथित सट्टा कारोबार से जुड़े पुराने विवाद की जांच में कोई कड़ी सामने आई? क्या शुरूआती मीडिया अपडेट जारी करने से पहले घटनाक्रम का स्वतंत्र सत्यापन किया गया था? उत्तर प्रदेश के कई पत्रकार संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी इस मामले में निष्पक्ष जांच और नाका थाना क्षेत्र में कथित अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंप चुके हैं। अब सवाल सिर्फ एक पत्रकार पर हुए हमले का नहीं, बल्कि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाने का है। सीसीटीवी फुटेज सामने आएंगे तो तस्वीर साफ होगी, लेकिन अगर शुरूआती कहानी और वास्तविक घटनाक्रम में अंतर निकला तो जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। आखिर पत्रकार तारिक खान पर चाकू किस परिस्थिति में चला, विवाद किसके बीच था और पुलिस ने मीडिया को पहली कहानी किस आधार पर बताई? इन सवालों का जवाब मिलना जरूरी है।



# बांगरमऊ में भाजपा का मतदाता जोड़ो अभियान तेज, विधानसभा स्तरीय बैठक में कार्यकताओं ने भरी हुंकार

**सरोजनी ग्रीन्स में जुटे भाजपा के दिग्गज पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, लोकतंत्र को मजबूत बनाने और हर पात्र नागरिक को मतदाता सूची से जोड़ने का लिया संकल्प**

(जीएनएस)।

*बांगरमऊ (उन्नाव)।* भारतीय जनता पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने तथा लोकतंत्र में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मतदाता जोड़ो अभियान के तहत आज बांगरमऊ स्थित सरोजनी ग्रीन्स में विधानसभा स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री अनुराग अवस्थी जी, विधानसभा प्रभारी जी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ऊजार्वान कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में अभियान को लेकर कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता जोड़ो अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाना और प्रत्येक पात्र नागरिक तक इसकी जानकारी पहुंचाना रहा। इस दौरान अभियान की रणनीति, संगठनात्मक जिम्मेदारियों तथा गांव-गांव और बूथ स्तर तक जनसंपर्क को प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम होना बेहद जरूरी है। कोई भी पात्र व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।



*हर पात्र नागरिक तक पहुंचेगा अभियान, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर*

बैठक में कार्यकताओं से आ'ान किया गया कि वे पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं। विशेष रूप से युवाओं, नए पात्र मतदाताओं और उन नागरिकों को जागरूक करने पर जोर दिया गया, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है। कार्यकताओं को घर-घर संपर्क कर लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया की जानकारी देने और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से मजबूत होता है। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना हर पात्र नागरिक के लिए जरूरी है, क्योंकि मतदान के माध्यम से ही जनता अपनी आवाज और अपनी पसंद को लोकतांत्रिक व्यवस्था में अभिव्यक्त करती है।

*संगठन की मजबूती के साथ जनभागीदारी बढ़ाने का संकल्प*

बैठक में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने एकजुट होकर मतदाता जोड़ो अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। सभी ने भरोसा जताया कि आपसी समन्वय, निरंतर जनसंपर्क और संगठनात्मक सक्रियता के माध्यम से अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाया जाएगा। बैठक में संगठन की एकजुटता और अभियान को लेकर कार्यकताओं का उत्साह प्रमुख रूप से दिखाई दिया।

इस अवसर पर *विवेक सिंह पटेल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि एवं जिला उपाध्यक्ष* ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जागरूक मतदाता है। देश और समाज के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए जरूरी है कि प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराए और अपने संवैधानिक अधिकार के प्रति जागरूक बने।

उन्होंने कहा कि मतदाता जोड़ो अभियान केवल एक संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी को व्यापक बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि वे इस अभियान को पूरी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएं और अधिक से अधिक पात्र लोगों को मतदाता सूची से जोड़ने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

विवेक सिंह पटेल ने सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आ'ान करते हुए कहा कि संगठन की शक्ति उसकी एकजुटता और कार्यकताओं की मेहनत में होती है। जब प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएगा, तभी अभियान को व्यापक सफलता मिलेगी।

बैठक का समापन लोकतंत्र को मजबूत बनाने, मतदाता जागरूकता बढ़ाने और प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

### मेरा वोट, मेरा अधिकार!

*हर पात्र नागरिक बने जागरूक, लोकतंत्र में हो सबकी भागीदारी।*

*विवेक सिंह पटेल*, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, जिला उपाध्यक्ष

# कानपुर जोन की 26वीं अन्तरजनपदीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ, उद्घाटन मैच में कानपुर कमिश्नरेट ने इटावा को 195 रनों से हराया

(जीएनएस)।

कानपुर , आज दिनांक 16 नवम्बर 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस, कानपुर जोन की 26वीं अन्तरजनपदीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ महोदया द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय श्री संतोष कुमार मिश्रा, पुलिस उपमहानिरीक्षक कानपुर परिक्षेत्र कानपुर श्री यमुना प्रसाद, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय श्री दिनेश त्रिपाठी एवं एसीपी लाइन सुश्री अंजना दहिया और प्रतिसार निरीक्षक प्रथम श्री राकेश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक द्वितीय श्री संतोष कुमार राघव, खेल प्रभारी कानपुर कमिश्नरेट अमित त्रिपाठी आदि भी उपस्थित रहे।



यह प्रतियोगिता दिनांक 16 नवम्बर से 19 नवम्बर 2026 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें कानपुर जोन के विभिन्न जनपदों की पुलिस टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच कानपुर कमिश्नरेट एवं इटावा की टीमों के मध्य पुलिस लाइन के मैदान में खेला गया। मैच में इटावा की टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कानपुर कमिश्नरेट की टीम ने निर्धारित पारी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 226 रन बनाए। कानपुर कमिश्नरेट की ओर से अभिषेक ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 43 गेंदों पर 102 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली व नरेंद्र सिंह ने 36 रनों का योगदान दिया।

227 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटावा की टीम कानपुर कमिश्नरेट के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और मात्र 31 रनों पर पूरी टीम ऑलआउट हो गई।कानपुर कमिश्नरेट की ओर से गेंदबाजी करते हुए नीरज ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 2 ओवर में मात्र 10 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। वहीं कृष्णकांत ने 12 रन देकर 3 विकेट प्राप्त किए।इस प्रकार कानपुर कमिश्नरेट की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटावा की टीम को 195 रनों से पराजित कर प्रतियोगिता में शानदार जीत के साथ आगाज किया।प्रतियोगिता का दूसरा मैच ललितपुर और औरैया के मध्य खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए ललितपुर की टीम ने 16.2 ओवरों में 10 विकट खोकर 113 रन बनाए जवाब में औरैया की टीम 14.3 ओवर में 60 रन बनाकर ऑलआउट हो गई इस तरह ललितपुर की टीम ने जनपद औरैया की टीम को 53 रनों से शिकस्त दी।

प्रतियोगिता का उद्देश्य पुलिसकर्मियों में खेल भावना, शारीरिक दक्षता, अनुशासन, आपसी समन्वय एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबले 19 नवम्बर तक आयोजित किए जाएंगे।

# केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और कानपुर सांसद श्री रमेश अवस्थी ने कानपुर सेंट्रल और आनंद विहार टर्मिनल के बीच नई कानपुर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

**कानपुर एक्सप्रेस कानपुर को सीधे दिल्ली के प्रमुख मल्टीमॉडल ट्रांजिट गेटवे से जोड़ेगी। कानपुर उत्तर प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक, चमड़ा और शैक्षणिक केंद्र है**

**16 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रेलवे ट्रैक से कानपुर को रेलवे क्रॉसिंग पर दशकों पुरानी यातायात समस्या से स्थायी राहत मिलेगी: अश्विनी वैष्णव**

एजेंसी

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और सांसद श्री रमेश अवस्थी ने आज नई कानपुर एक्सप्रेस की उद्घाटन यात्रा को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन कानपुर सेंट्रल और आनंद विहार टर्मिनल के बीच दोनों दिशाओं में संचालित होगी। इस अवसर पर कानपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय और अकबरपुर के सांसद श्री देवेंद्र सिंह भोले सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। नई दैनिक रेल सेवा उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बीच रेल संपर्क को मजबूत करेगी तथा कानपुर और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को एक अतिरिक्त यात्रा विकल्प उपलब्ध कराएगी।



नई रेल सेवा से प्रमुख औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्रों के बीच संपर्क को बढ़ावा

428 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस ट्रेन में 22 आधुनिक एलएचबी कोच होंगे और यह अपने मार्ग में कई महत्वपूर्ण कस्बों तथा आर्थिक केंद्रों को जोड़ेगी। यह रेल सेवा फफूंद के यात्रियों को लाभ पहुंचाएगी, जो औरैया के औद्योगिक क्षेत्रों को सेवा प्रदान करता है। इनमें एनटीपीसी औरैया तथा गेल पाता शामिल हैं। इसके अलावा, यह एक महत्वपूर्ण कृषि केंद्र इटावा और कांच उद्योग के लिए प्रसिद्ध फिरोजाबाद क्षेत्र को संपर्क प्रदान करने वाले टूंडला को भी जोड़ेगी।

यह ट्रेन हाथरस को भी जोड़ेगी, जो हींग प्रसंस्करण, पीतल के बर्तनों और कृषि आधारित उद्योगों के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही यह अलीगढ़ को जोड़ेगी, जो ताला उद्योग का एक महत्वपूर्ण केंद्र और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का घर है। यह खुर्जा से भी संपर्क मजबूत करेगी, जो अपने सिरेमिक और मिट्टी के बर्तनों के उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा, यह रेल सेवा एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक केंद्र दादरी को एनसीआर के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में से एक गाजियाबाद से जोड़ेगी और इसके बाद दिल्ली के प्रमुख मल्टीमॉडल परिवहन केंद्र आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

क्षेत्रीय विकास और यात्रियों की सुविधा को बढ़ावा

नई रेल सेवा उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक, चमड़ा और शैक्षणिक केंद्रों में से एक कानपुर और दिल्ली के प्रमुख मल्टीमॉडल ट्रांजिट गेटवे आनंद विहार टर्मिनल के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित करेगी। यह संपर्क राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से यात्रियों को जोड़ता है। इससे दोनों महत्वपूर्ण शहरी केंद्रों के बीच यात्रा करने वाले कारोबारी पेशेवरों, विद्यार्थियों, श्रमिकों और अन्य यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा में मदद मिलेगी।

श्री वैष्णव ने नई रेल सेवा शुरू होने पर कानपुर की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस नई रेल सेवा के लिए कानपुर की जनता को शुभकामनाएं दी हैं।

आगामी प्रमुख रेलवे परियोजनाएं

शहर में आगामी रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए रेल मंत्री ने कहा कि अनवरगंज और मंधना के बीच 16 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का निर्माण रेलवे क्रॉसिंग पर यातायात जाम की कानपुर की दशकों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करेगा। उन्होंने आगे बताया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी हो चुकी है और परियोजना के लिए आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होने की उम्मीद है।

प्रस्तावित बुलेट ट्रेन परियोजना पर